

हमारा सामाजिक परिवेश

इस पाठ से हम सीखेंगे

- हमारे आस-पास के विभिन्न व्यवसाय क्या हैं।
- हमें हर व्यवसाय से जुड़े लोगों का सम्मान करना चाहिए।
- हमारे आस-पास कौन-कौन सी जन-सेवाएँ हैं।
- परिवार, पास-पड़ोस और समुदाय की समाज के विकास में क्या भूमिका है।

हमारे आस-पास बहुत से लोग रहते हैं, जैसे—नाई, धोबी, मोची, सफाई वाला, डॉक्टर, मास्टर आदि। इसके अलावा कुछ जन-सेवाएँ भी हैं, जैसे— अस्पताल, स्कूल, बैंक, डाकघर, पुलिस आदि। इन सभी की मदद से हम सुखमय जीवन बिताते हैं। ये सभी सेवाएँ हमारे लिए आवश्यक हैं। विभिन्न काम-धंधों से जुड़े लोगों के साथ हमारा कैसा व्यवहार होना चाहिए? समाज के विकास में पास-पड़ोस के व्यवसाय और जन सेवाओं की क्या भूमिका है? इस पाठ में हम यही पढ़ेंगे।

2.1 पास-पड़ोस के व्यवसाय

हमारे गाँवों का मुख्य पेशा खेती-बाड़ी है, लेकिन गाँव में सभी तरह के लोग रहते हैं, क्योंकि कोई भी अपनी ज़रूरत के सभी काम खुद नहीं कर सकता। जैसे—

बाल काटने और हजामत बनाने के लिए नाई है। मिट्टी के बर्तन बनाने के लिए कुम्हार है। चमड़े का कार्य करने के लिए चर्मकार है। कपड़े धोने के लिए धोबी है। सफ़ाई करने के लिए सफ़ाई वाला है। कपड़ा बुनने के लिए जुलाहा है। फावड़ा खुरपी, कुदाल, दराँती, हँसिया आदि बनाने को लोहार है। लकड़ी का काम करने को बढ़ई है। सोने-चाँदी के गहने बनाने के लिए सुनार है। तेल निकालने के लिए तेली है। चना, मक्का, गेहूँ, जौ आदि भूनने के लिए भड़भूजा है।

विभिन्न काम-धंधे करते लोग



धोबी



नाई



कुम्हार



लोहार



बुनकर

ये सभी अपने हुनर में माहिर हैं। ये काम उनके पुश्तैनी पेशे रहे हैं। इन्हें उनके बच्चे बचपन से सीखते रहे हैं। वर्षों के अभ्यास और अनुभव के बाद उनके हुनर में निखार आता है।

समय के साथ-साथ इन सबके काम-धंधों में बदलाव और नयापन आने लगा है। बसंती धोबन का बेटा शहर में सिर्फ कपड़े इस्त्री करने का काम करता है। अनवर दर्जी का बेटा है रहमान। रहमान किताबों में देखकर नए डिजाइन के कपड़े सिलता है। सोबरन मोची का बेटा नए डिजाइन के जूते-चप्पल बनाने के साथ-साथ पर्स, बैग और बेल्ट भी



कपड़े प्रेस करती महिला

बनाने लगा है। कस्बे में उसकी दुकान खूब चलती है। जुम्मन अब हथकरघे पर अच्छे-अच्छे कपड़े बनाता है। रवीकरन सुनार का काम अब शहर में करता है। गिरधारी लाल पंसारी की दुकान अब मंडी में है।

पहले	अब
 महिला हाथ से दोने-पत्तल बनाती हुई	 मशीन से दोने-पत्तल बनाता हुआ कारीगर

पहले	अब
 हल-बैल से जुताई  महिला चरखा चलाकर सूत कात रही है  नाइन हाथ से पैरों में आलता (रंग) लगा रही है  चर्मकार जूते बना रहा है	 ट्रैक्टर से खेत की जुताई  कपड़ा बनाने की मिल  ब्यूटी पार्लर में फेशियल किया जा रहा है  चर्मकार जूते के साथ पर्स, बेल्ट वगैरह भी बना रहा है

2.2 यह बदलाव क्यों आया है?

- परिवार में सदस्यों की संख्या बढ़ी है, इसलिए सभी लोगों की उसी धंधे में खपत नहीं होती।
- पहले लोग गुज़ारे के लिए केवल किसानों या गाँव के धनी लोगों पर निर्भर रहते थे। अब वे गाँव के बाहर जाकर काम करने लगे हैं।
- नई पीढ़ी पुश्तैनी रोज़गार से होने वाली आमदनी से संतुष्ट नहीं है।
- हर व्यक्ति को कोई भी व्यवसाय करने की छूट है।
- लोग पढ़-लिखकर नए-नए हुनर सीख रहे हैं। दूसरी नौकरी या दूसरे व्यवसाय करने लगे हैं।
- नई-नई मशीनें आई हैं। नई तकनीक से कम समय में बेहतर काम होने लगा है।

इन सब कारणों से हर रोज़गार में बदलाव आया है।

2.3 पास-पड़ोस के व्यवसायों से जुड़े लोगों का सम्मान

रोज़ी-रोटी कमाने के लिए हर व्यक्ति कोई न कोई काम-धंधा करता है। हमने यह भी देखा कि हर इंसान अपनी ज़रूरतों के लिए दूसरों पर निर्भर रहता है। हर इंसान खाने के लिए किसान पर निर्भर है। किसान अपने औजारों के लिए लोहार और दूसरे कारीगरों पर निर्भर है। रोज़ की ज़रूरत का सामान रामसहाय और शबरातन बुआ की दुकान पर ही मिलता है। मुरारी लोहार का तवा न हो, तो रोटी न मिले। चमनलाल के घड़े-सुराही न हों, तो गर्मी में गरम पानी पीना पड़े। सुलेमान दर्जी, आफ़ताब रंगरेज़, सतबीर सुनार, रामकली नाइन के बिना तीज-त्योहार और शादी-ब्याह फीके हैं। हरी राम चर्मकार के जूते-चप्पल के बिना पैरों में छाले पड़ जाएँ।

इसका मतलब है कि हर व्यवसाय और उससे जुड़े लोगों का विशेष महत्व है। एक के बिना दूसरे का जीवन कठिन है। कोई काम छोटा या बड़ा नहीं है, इसलिए हमें हर व्यवसाय और उससे जुड़े लोगों का आदर करना चाहिए। एक-दूसरे को सहयोग करना चाहिए। मदद करनी चाहिए। सबके साथ अच्छा व्यवहार रखना चाहिए।

हमें रोज़ बहुत-सी चीजों की ज़रूरत पड़ती है। हम अपनी सभी ज़रूरतें खुद पूरी नहीं कर पाते। इसमें हमारी मदद करते हैं, विभिन्न व्यवसायों (काम-धंधों) से जुड़े लोग। इस तरह हर व्यक्ति अपनी ज़रूरत के लिए किसी और पर निर्भर होता है। एक के बिना दूसरे का काम नहीं चलता। इसलिए, हर व्यवसाय और उससे जुड़े लोगों का आदर-सम्मान ज़रूरी है।

देखें, आपने क्या सीखा 2.1

1. पास-पड़ोस में होने वाले पाँच काम लिखिए। इन कामों को करने वालों को क्या कहते हैं, यह भी लिखिए:

काम	काम करने वालों के नाम
जैसे— कपड़े रँगना	रंगरेज़
(i)	
(ii)	
(iii)	
(iv)	
(v)	

2. हमारे पास-पड़ोस में महिलाएँ कई तरह के रोज़गार करती हैं। ऐसे किन्हीं तीन रोज़गारों के नाम लिखिए, जो महिलाएँ करती हैं:

जैसे— दाई बच्चे पैदा कराने का काम करती है।

(i)

(ii)

(iii)

3. रेखा खींचकर बताइए कि हम कॉलम एक के कामों के लिए किस पर निर्भर हैं:

	कॉलम-एक	कॉलम-दो
जैसे—	(i) औजारों के लिए	दर्जी पर
	(ii) कपड़े सिलवाने के लिए	बढ़ई पर
	(iii) अनाज के लिए	सफ़ाई कर्मचारी पर
	(iv) जेवर बनवाने के लिए	लोहार पर
	(v) जूते-चप्पल बनवाने के लिए	किसान पर
	(vi) साफ-सफ़ाई के लिए	सुनार पर
	(vii) लकड़ी का सामान बनाने के लिए	चर्मकार पर

4. पास-पड़ोस के व्यवसायों से जुड़े लोगों का सम्मान क्यों ज़रूरी है?

.....

2.4 आस-पास की जन-सेवाएँ

ऊपर आपने देखा कि समाज में एक-दूसरे की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए तरह-तरह के व्यवसाय के लोग अपने-अपने धंधे में जुटे हैं। इनके अलावा भी बहुत-सी ज़रूरतें हैं, जैसे— इलाज के लिए अस्पताल; बच्चों की पढ़ाई-लिखाई के लिए स्कूल; हमारे धन, आदि की सुरक्षा के लिए तथा बचत जमा करने को

बैंक; पत्र भेजने, बचत जमा करने के लिए डाकघर तथा हमारी व्यवस्था, नियम, कानून को सही रखने के लिए पुलिस की ज़रूरत पड़ती है।

अस्पताल, स्कूल, डाकखाना, थाना जैसी जगहों से हमारा रोज़ का नाता है। इनकी मदद से हमारा जीवन आसानी से गुज़रता है। इन सभी सेवाओं को हम जन-सेवा कहते हैं। जन-सेवा सरकारी हो सकती है और गैर-सरकारी भी। आइए, हम कुछ जन-सेवाओं के बारे में जानें।

2.4.1 अस्पताल में सुविधाएँ

- अस्पताल में मरीजों का इलाज होता है। बच्चों को टीके लगाए जाते हैं। यहाँ प्रसव होता है और माँ-बच्चे की देखभाल भी।
- सभी वार्डों में 24 घंटे स्टाफ़ नर्स होती हैं।
- जनरल वार्ड में भर्ती मरीजों के लिए कई टेस्ट मुफ़्त हैं, जबकि



अस्पताल का दृश्य

कैट स्कैन, अल्ट्रासाउंड आदि सरकार द्वारा तय फ़ीस लेकर किए जाते हैं।

- जनरल वार्ड में भर्ती मरीजों का इलाज व खाना मुफ़्त होता है। सभी मरीजों के अटेन्डेन्ट को एक पास दिया जाता है।



अस्पताल में बच्चे का इलाज़

- सभी अस्पतालों में इमरजेन्सी केस को प्राथमिकता दी जाती है।
- सभी अस्पतालों में इमरजेन्सी के आस-पास मुफ्त फोन की सुविधा होती है।
- सरकारी अस्पतालों में गरीब मरीजों के लिए एंबुलेन्स सुविधा मुफ्त होती है, जबकि बाकी लोग तय फीस देकर इस सुविधा का फायदा ले सकते हैं।
- सभी सरकारी व निजी अस्पताल आर्थिक रूप से कमज़ोर लोगों का मुफ्त इलाज करने के लिए बाध्य हैं।
- सरकारी अस्पतालों में मरीज़ को जीवनरक्षक दवाइयाँ भी मुफ्त दी जाती हैं।
- सरकारी अस्पतालों में बच्चों को ज़रूरी टीके मुफ्त लगाए जाते हैं। हफ्ते में दो दिन यह सुविधा उपलब्ध होती है।

2.4.2 स्कूल में सुविधाएँ

- सरकार ने शिक्षा का कानून बनाया है। इस कानून के अनुसार सरकारी स्कूल में 6 से 14 साल तक के बच्चों को कक्षा आठ तक कोई फीस नहीं देनी पड़ती। किताबें, कॉपियाँ, बस्ता, वर्दी और दोपहर का खाना भी मुफ्त मिलता है।
- स्कूल में बच्चा पढ़ना-लिखना, खेल-कूद और प्रेम तथा भाईचारे से रहना सीखता है।
- निजी स्कूलों में भी गरीब बच्चों के लिए 25% सीटें होती हैं। वहाँ उनको मुफ्त शिक्षा का अधिकार प्राप्त है।



स्कूल में बच्चे

- दाखिले के समय जन्म प्रमाण पत्र देने की जरूरत नहीं है।
- दाखिले के समय कोई स्कूल चंदा या इन्टरव्यू-टैस्ट नहीं ले सकता। अगर कोई ऐसा करता है, तो शिकायत करने पर उसे 25 हजार से 50 हजार रुपये तक जुर्माना देना होगा।
- निजी स्कूलों में गरीब लोगों के बच्चों को सभी बच्चों के साथ शिक्षा दी जाएगी।
- ग्राम प्रधान, ग्राम शिक्षा समिति तथा प्रधान अध्यापक की जिम्मेदारी है कि गाँव के सभी बच्चों का स्कूल में दाखिला कराएँ।

2.4.3 डाकघर में सुविधाएँ

पहले नाई या हरकारे हमारे पैगाम दूसरों तक पहुँचाते थे, परंतु अब हमारी चिट्ठी-पत्री डाक सेवा द्वारा भेजी जाती है।

- डाकघर का मुख्य काम है— डाक को एक जगह से दूसरी जगह तक पहुँचाना। पहले डाक कई दिन में पहुँचती थी, मगर अब स्पीड पोस्ट द्वारा डाक जल्दी पहुँच जाती है।
- चिट्ठी के अलावा डाकघर से मनीऑर्डर (पैसा भेजना) और पार्सल (सामान भेजना) भी भेजे जाते हैं।
- डाकघर में खाता खोलकर लोग उसमें धन जमा करते हैं।
- मनरेगा में हर मजदूर की मजदूरी बैंक या डाकघर में जमा की जाती है।
- छोटी-छोटी बचत योजनाओं द्वारा लोगों को बचत करना भी सिखाया जाता है।



डाकघर

- संसार की सबसे बड़ी डाक सेवा भारत में ही है।
- आजकल डाक और पार्सल भेजने का काम प्राइवेट कोरियर सर्विस द्वारा भी किया जाता है।

2.4.4 बैंक में सुविधाएँ

पहले लोग सुरक्षा के लिए धन और ज़ेवर आदि जमीन में गाड़ देते थे, लेकिन अब ऐसा नहीं है। अब लगभग हर बड़े गाँव में बैंक-सुविधा उपलब्ध है।

- बैंक का मुख्य काम है— लोगों का धन सुरक्षित रखना। बैंक में खाता खोलकर लोग वहाँ अपना धन जमा कर सकते हैं। जमा धन पर ब्याज भी मिलता है। ज़रूरत पड़ने पर धन वापस निकाला जा सकता है।
- बैंक में गहने व अन्य कीमती सामान भी सुरक्षित रखा जाता है। यह सामान छोटी-छोटी तिजोरियों में रखा जाता है। इन्हें लॉकर कहते हैं।
- बैंक सरकारी या निजी हो सकते हैं। गाँव में ग्रामीण बैंक, सहकारी बैंक और राष्ट्रीय बैंक होते हैं।
- बैंक काम-धंधे, पढ़ाई, खेती आदि के लिए कम ब्याज पर ऋण देता है। बहुत से ऋणों में छूट भी मिलती है।



2.4.5 पुलिस से प्राप्त सुविधाएँ

- पुलिस हमारी सुरक्षा के लिए है। ट्रैफिक पुलिस सड़कों पर चल रहे वाहनों और लोगों की सुरक्षा करती है।
- अपराधों के खिलाफ हम थाने में एफ.आई.आर. दर्ज कराते हैं। जाँच के बाद पुलिस अपराधी को पकड़ती है।
- पुलिस समाज में शांति बनाए रखने में मदद करती है।
- पुलिस समाज में सुरक्षा-व्यवस्था को कायम रखने के लिए है।



चौराहे पर पुलिस वाला

2.4.6 अदालत से प्राप्त सुविधाएँ

- गाँव में लोगों के झगड़े पहले पंचायतों द्वारा सुलझाए जाते हैं, परंतु अगर न सुलझें, तो इसके लिए लोग कचहरी जाते हैं। यहाँ झगड़ों और जुर्मों के फैसले होते हैं। जुर्मों के फैसले जज करते हैं। मुकदमों की सुनवाई जज के सामने होती है। वकील अपने मुवक्किल की बात जज के सामने न्याय के लिए रखते हैं।
- जुर्म कितना गंभीर है या झगड़ा कितनी रकम का है, इसके हिसाब से अदालत छोटी या बड़ी होती है। ज़िला स्तर की अदालत को डिस्ट्रिक्ट कोर्ट या जिला न्यायालय कहते हैं। राज्य स्तर पर हाई कोर्ट या उच्च न्यायालय है। देश की सबसे बड़ी अदालत को सुप्रीम कोर्ट या उच्चतम न्यायालय कहते हैं।



अदालत का दृश्य

- उच्चतम न्यायालय नई दिल्ली में है। यहाँ नीचे के सभी न्यायालयों की अपील आती है। स्वतंत्र मुकदमे भी आते हैं। उच्चतम न्यायालय का फ़ैसला अंतिम होता है। इसके विरुद्ध कहीं भी अपील नहीं की जा सकती।
- न्यायपालिका का प्रमुख कार्य यह देखना है कि देश की कानून-व्यवस्था संविधान के अनुसार चल रही है या नहीं।
- किसी के साथ अन्याय हो और उसके पास मुकदमे की फ़ीस के पैसे न हों, तो जज उसकी फ़ीस माफ़ कर देते हैं। वे मुफ़्त वकील भी नियुक्त कर देते हैं।
- सरकार ने हर कचहरी में मुफ़्त कानूनी सहायता के लिए एक दफ़्तर खोला है। इसको 'कानूनी सहायता केंद्र' (लीगल एड सेल) कहते हैं।

2.4.7 नगरपालिका और नगर निगम के कार्य

शहर में जीवन से जुड़ी अनेक सुविधाओं के रख-रखाव की ज़िम्मेदारी इन्हीं दफ्तरों की है। बिजली, पानी, साफ़-सफ़ाई, बीमारियों की रोकथाम, सड़क, शिक्षा, पार्क आदि की देखभाल यही दफ्तर करते हैं। जन्म और मृत्यु-प्रमाण पत्र भी इन्हीं दफ्तरों में बनते हैं।



2.4.8 ग्राम-पंचायत का काम

गाँव में लोगों को सुविधाएँ प्रदान करने का काम पंचायत का है। यहाँ विकास की योजनाएँ बनाई जाती हैं। समाज-सेवा और गाँव के विकास की सभी सरकारी व गैर-सरकारी योजनाएँ यहीं से लागू होती हैं। मनरेगा में काम के लिए पंजीकरण यहीं होता है। जॉब कार्ड भी यहीं बनता है।



कृषि और बागवानी का विकास; चरागाह का विकास और उनकी रक्षा करना; पेड़ लगाना; भूमि-सुधार; भूमि-संरक्षण, जैसे— पुस्ते, बाँध, चकबंदी आदि काम, सिंचाई के साधनों का विकास, निर्माण, मरम्मत तथा उनकी देखरेख; पशुओं की नस्लें सुधारना; दूध-उत्पादन; मछली पालन; मुर्गी पालन, सूअर पालन आदि; सार्वजनिक भूमि पर तथा सड़कों के किनारे पेड़ लगाना; लघु उद्योग, कुटीर उद्योग, ग्राम उद्योग, जैसे— माचिस, बाँस की बनी चीजें आदि बनाना; ग्रामीण आवास बनाना; पानी के लिए सार्वजनिक कुओं, तालाबों, पोखरों की देखरेख; ईंधन, चारा, भूमि का विकास; गाँव की सड़कें, पुलिया, नौकाघाट, जलमार्ग की देखरेख; गाँव में बिजली का प्रबंध; गरीबी हटाने के कार्यक्रम; प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षा; खेलकूद; सांस्कृतिक कार्य; ग्राम की स्वच्छता, मनुष्यों एवं पशुओं का टीकाकरण; जन्म-मृत्यु व विवाह का रजिस्ट्रेशन, परिवार-कल्याण, विकास की योजनाएँ बनाना। ये सभी कार्य पंचायत करती हैं।

इसी तरह कई जन-सेवाएँ और भी हैं। इनसे हमारे जीवन में खुशहाली आती है। इसलिए हमारी ज़िम्मेदारी है कि हम इन सभी सेवाओं से जुड़े लोगों का आदर करें।



अच्छा, साफ़-सुथरा गाँव

उन्हें उनका काम अच्छी तरह करने में सहयोग दें। उनके काम में अड़चन न डालें, जैसे—अस्पताल में जाकर डॉक्टर और नर्स से झगड़ा न करें।

हमारे आस-पास कई जन-सेवाएँ होती हैं, जैसे— स्कूल, अस्पताल, कचहरी, डाकखाना, बैंक आदि। इनसे हमारा जीवन आसान हो जाता है। हमारी जिम्मेदारी है कि इनसे जुड़े लोगों का आदर करें। उन्हें उनका काम करने में सहयोग दें। उनके काम में अड़चन न डालें।

देखें, आपने क्या सीखा 2.2

1. किन्हीं चार जन-सेवाओं के नाम लिखिए। यह भी लिखिए कि वहाँ क्या-क्या काम होते हैं:

जन-सेवा का नाम	क्या काम होता है
जैसे— स्कूल	बच्चों को पढ़ना-लिखना, खेल-कूद आदि सिखाया जाता है।

- | | |
|-------|-------|
| (i) | |
| (ii) | |
| (iii) | |
| (iv) | |

2. सही (✓) या गलत (×) का निशान लगाइए:

- | | |
|---|--------------------------|
| (i) अस्पताल में डॉक्टर और नर्स काम करते हैं। | ☐ |
| (ii) बैंक में जज फैसला सुनाते हैं। | ☐ |
| (iii) डाकघर से मनीऑर्डर और पार्सल नहीं भेजे जाते। | ☐ |
| (iv) पुलिस हमारी सुरक्षा के लिए है। | ☐ |

3. गरीबों को मुफ्त कानूनी सहायता कहाँ मिलती है?

.....

4. ग्राम-पंचायत के 4 काम लिखिए:

(i)

(ii)

(iii)

(iv)

2.5 परिवार, पास-पड़ोस और समुदाय की सामाजिक विकास में भूमिका

सोनिया का गाँव छोटा-सा है, लेकिन उसमें कई सुविधाएँ हैं। बच्चों के लिए प्राइमरी स्कूल है। स्वास्थ्य केंद्र और प्रसूति-घर हैं। चारों तरफ सफाई है। पक्की नालियाँ बनी हैं। घरों से पानी का निकास सही है। जगह-जगह हैंड पंप लगे हैं। तालाब साफ-सुथरे हैं। उसमें मछलियाँ पाली जाती हैं। घर-घर में शौचालय बने हैं। गलियाँ बनी हैं। गाँव में खड़ंगा बिछा है। गाँव की सड़कें पक्की हैं और शहर जाने वाली सड़क से जुड़ी हैं।

इन सुविधाओं से यह लाभ हो रहा है कि गाँव में शिक्षा का माहौल है। लड़के-लड़कियाँ पढ़ रहे हैं। प्रौढ़ शिक्षा केंद्र में महिलाएँ पढ़ाई-लिखाई के साथ नए-नए हुनर भी सीख रही हैं।

सफाई है, इसलिए बीमारियाँ भी कम हैं। सड़कें हैं, तो शहर आना-जाना आसान है। इससे कारोबार को बढ़ावा मिला है। सबकी आमदनी बढ़ी है। लेकिन, यह सब हुआ कैसे?

यह सब हुआ है, सबके सहयोग से। लोग अपने घर और घर के आस-पास सफाई

रखते हैं। सभी लोग अपनी ज़िम्मेदारी समझते हैं। हैंड पंप टूट जाए, तो इंतज़ार नहीं करते कि सरकार ही उसे ठीक करवाए। सब मिल-जुलकर उसे ठीक करवा लेते हैं।



श्रमदान करते लोग

इसी तरह गली में खड़ंगा बिछा, तो लोगों ने श्रमदान किया। सबने खुद कोशिश की। पंचायत में मिल-जुलकर फैसले किए, तो स्कूल और स्वास्थ्य केन्द्र बने। गाँव वालों की एकता और ज़िम्मेदारी की भावना देख सरकार और स्वयंसेवी संस्थाओं ने भी गाँव के विकास में सहयोग दिया। इस तरह परिवारों, पास-पड़ोस और समुदाय की मिली-जुली कोशिशों से गाँव तरक्की कर रहा है। इस गाँव के अच्छे विकास की वजह से देश-विदेश के लोग इसे देखने आते हैं।

परिवार और पास-पड़ोस की सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका है। लोग पढ़े-लिखे हों, स्वस्थ हों, अपनी ज़िम्मेदारी समझें, मेल-मिलाप से रहें; तो समाज का विकास होता है।

देखें, आपने क्या सीखा 2.3

1. गाँव के लोग कहाँ से शिक्षा पा रहे हैं?

.....

2. सही पर (✓) और गलत पर (×) का निशान लगाइए:

- | | |
|--|--------------------------|
| (i) सफ़ाई के कारण बीमारी फैलती है। | ☐ |
| (ii) घरों में पानी की निकासी सही होनी चाहिए। | ☐ |
| (iii) स्वास्थ्य की देखभाल ज़रूरी है। | ☐ |
| (iv) मेल-जोल से समाज का विकास नहीं होता। | ☐ |

आइए, दोहराएँ

- कोई भी व्यवसाय छोटा या बड़ा नहीं होता।
- गाँवों का मुख्य पेशा खेती-बाड़ी है।
- हर व्यक्ति को कोई भी व्यवसाय करने की छूट है।
- हर व्यक्ति अपनी ज़रूरतों के लिए किसी और पर निर्भर होता है।
- अस्पताल, स्कूल, डाकखाना, थाना आदि जन-सेवा के संस्थान हैं।
- सरकार ने हर कचहरी में मुफ़्त कानूनी सहायता देने का प्रबंध किया है।
- परिवार और पास-पड़ोस की सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका होती है।
- नगर-पालिका, नगर, निगम, पंचायत, सभी लोगों को सुविधाएं पहुँचाने का काम करती हैं।

अभ्यास

1. चित्र देखकर लिखिए, ये कौन लोग हैं:



2. अपने आस-पास होने वाले कोई पाँच काम लिखिए। यह भी लिखिए कि इन कामों को करने वालों को क्या कहते हैं:

काम

काम करने वाले

जैसे : फूलों के हार बनाने वाला

माली

(i)

.....

(ii)

.....

- (iii)
 (iv)
 (v)

3. सही पर (✓) और गलत पर (×) का निशान लगाइए:

- (i) गाँव का मुख्य पेशा खेती-बाड़ी है। ☐
 (ii) जन-सेवाओं से जुड़े लोगों के काम में अड़चन डालनी चाहिए। ☐
 (iii) समय के साथ व्यवसाय में बदलाव नहीं आया है। ☐
 (iv) अस्पताल में जच्चगी भी होता है। ☐
 (v) गाँव के विकास के लिए एकता ज़रूरी है। ☐
 (vi) बैंक में जमा धन पर ब्याज नहीं मिलता। ☐

4. ऐसी तीन जन-सेवाओं के नाम लिखिए, जहाँ गरीबों को मुफ्त सहायता मिलती है।

- (i) (ii) (iii)

5. ग्राम पंचायत के कोई पाँच काम लिखिए:

- (i) (ii) (iii)
 (iv) (v)

6. सही शब्द चुनकर खाली जगह भरिए:

थाने मनीऑर्डर अदालत अस्पताल गहने

- (i) बीमार लोगों को में भर्ती किया जाता है।
 (ii) डाकघर से भी भेजा जाता है।
 (iii) सबसे बड़ी को सुप्रीम कोर्ट कहते हैं।

- (iv) बैंक में भी सुरक्षित रखे जाते हैं।
 (v) एफ़.आई.आर. में लिखाई जाती है।

5. एक शब्द में उत्तर दीजिए:

- (i) मरीजों की देखभाल में कौन मदद करता है?
 (ii) मरीजों की जाँच कौन करता है?
 (iii) मुकदमों के फैसले कौन करता है?
 (iv) मुफ्त कानूनी सहायता कहाँ मिलती है?
 (v) जन्म और मृत्यु-प्रमाण पत्र कहाँ बनते हैं?

आइए, करके देखें

- आपके घर के आस-पास कौन सी जन-सेवाएँ हैं, पता करके सूची बनाइए।
- बैंक में कितने प्रकार के खाते खोले जा सकते हैं? हर तरह के खाते की क्या खासियत है? किस तरह के खाते में कितना ब्याज मिलता है? पता करके लिखिए।

.....

उत्तरमाला

- 2.1 3. (ii) दर्जी पर (vi) सफ़ाई कर्मचारी पर
 (iii) किसान पर (vii) बढ़ई पर
 (iv) सुनार पर
 (v) चर्मकार पर

4. हर व्यवसाय और उससे जुड़े लोगों का अपना महत्व है। कोई काम छोटा या बड़ा नहीं है। इसलिए हमें हर व्यवसाय और उससे जुड़े लोगों का सम्मान करना चाहिए।

2.2 2. (i) ✓

(ii) ✗

(iii) ✗

(iv) ✓

3. कानूनी सहायता केंद्र (लीगल एड सेल) में।

4. (i) भूमि-संरक्षण (ii) बिजली का प्रबंध (iii) गाँव की सड़कें व नालियाँ बनवाना (iv) गाँव की स्वच्छता

2.3 1. स्कूल और प्रौढ़ शिक्षा-केंद्र से।

2. (i) ✗ (ii) ✓ (iii) ✓ (iv) ✗